Carmel College Library
Nuvem, Salcete, Goa.

CARMEL COLLEGE OF ARTS, SCIENCE AND COMMERCE FOR WOMEN
SEMESTER END EXAMINATION NOVEMBER – DECEMBER 2022
Class – FYBA
Subject: Hindi - DSC
HNC 101 Madhyakalin Evam Aadhunik Hindi Kavya Tatha Vyakaran
Semester I of BA Date 21 / 11 /2022 Marks: 80 Time: 2Hours

INSTRUCTIONS: सभी प्रश्न अनिवार्य है।

प्र.1.अ) निम्नलिखित ६ में से ४ प्रश्नों के १०० शब्दों में लघुउत्तर लिखिए। (12)

1. घनानंद ने सुजान के प्रति प्रेम को किस तरह से चित्रित किया है ?
2. कबीर ने पद में निर्गुण ईश्वर के बारे में क्या कहा है ?
3. कवि ने 'अधिवास ' कविता के माध्यम से क्या संदेश दिया है ?
4. ' यह आदमी ' स्वार्थी है। - उदाहरण के द्वारा स्पष्ट कीजिए।
5. अमर निशानियाँ किसकी है ?
6. कवि बोधिसत्व के अनुसार कुछ दिन पहले और कुछ दिन बाद किस तरह की परिस्थितियाँ दिखायी देती है ?

प्र.1. आ) निम्नलिखित शब्दों की वर्तनी ठीक करके लिखिए। (4)

1- अभीनय
2-आकशृण
3-सयँम
4-सनध्याकाल
5- आरंभीक
6-प्रतएक
7- आवशक्यता
8- आक्रमन

प्र.2. अ) निम्नलिखित ६ में से ४ प्रश्नों के १०० शब्दों में लघुउत्तर लिखिए। (12)

1. 'रश्मिरथी' खंडकाव्य के द्वारा कर्ण की चार चारित्रिक विशेषता बताइए।
2. दुर्योधन को गुस्सा क्यों आया ? उसने गुस्से में कृष्ण से क्या कहा ?
3. जीवन में संघर्ष करना जरुरी है - इस संदर्भ में रामधारी सिंह 'दिनकर' ने क्या कहा है ?
4. कवच और कुंडल का दान पाने के बाद विप्र के भेष में आए इंद्र में कौनसे भाव पाए जाते है ?
5. कृष्ण ने कर्ण से पांडवों के पक्ष में आने का प्रस्ताव क्यों रखा ?

6. कर्ण के अंगराज बनने के बाद द्रोणाचार्य ने चिंतित होकर क्या कहा ?

प्र.2.आ)निम्नलिखित शब्दों में संधि-विच्छेद कीजिए। **(4)**

1- हिमालय

2- साकार

3- परमार्थ

4- रवींद्र

5- अंत:करण

6- सीमांत

7- वार्तालाप

8- भोजनालय

प्र.3. निम्नलिखित अवतरणों की संदर्भ सहित व्याख्या कीजिए। **(12)**

अ कबहुँक हौं यहि रहनि रहौंगो।
श्री रघुनाथ-कृपालु-कृपातें संत-सुभाव गहौंगो ॥१॥
जथा लाभ संतोष सदा, काहू सों कछु न चहौंगो।
पर-हित-निरत निरंतर, मन क्रम बचन नेम निबहौंगो ॥२॥
परुष बचन अति दुसह श्रवण सुनि तेहि पावक न दहौंगो।
बिगत मान, सैम सीतल मन, पर-गुण नहिं दोष कहौंगो ॥३॥
परिहरि देह-जनित चिंता, दुःख-सुख समबुद्धि सहौंगो।
तुलसीदास प्रभु यही पथ रहि अबिचल हरि-भगति लहौंगो ॥४॥

<u>अथवा</u>

अ सोच समझ अभिमानी, चादर भई है पुरानी,
टुकड़े- टुकड़े जोड़ी जुगत से, सीके अंग लिपटानी।
कर डारी मैली पापों से, लोभ- मोह में सानी।
ना यहि लग्यौ ज्ञान कै साबुन, ना धोई भल पानी।
सारी उमर ओढ़ते बीती, भली- बुरी नहिं जानी।
संका मान जान जिय अपने, यह है चीज़ बिरानी।
कह कबीर धरि राघु जतन से, फेर हाथ नहिं आनी।

Carmel College Library

आ)

इस शान्त समय में,
अन्धकार को बेध, रो रही क्यों हो?
कोकिल बोलो तो!
चुपचाप, मधुर विद्रोह-बीज
इस भाँति बो रही क्यों हो?
कोकिल बोलो तो!

अथवा

आ) सुरक्षित नहीं है कुछ भी
न जंगल
न नदी
न मनुष्य
न पहाड़
कितने मजे से उछालता मुहावरे
किसी और दुनिया के
कैसे जी लेता है यह आदमी कला में

प्र.4. अ) निम्नलिखित प्रश्न का उत्तर लगभग 400 शब्दों में लिखिए। (12)

1-मुनासिब कार्रवाई' कविता में समाज की वास्तविकता को किस तरह से चित्रित किया है ?

अथवा

प्र.4.आ)टिप्पणियाँ लिखिए । **(6-6)**

1- ' मीठा बेर ' कविता का भाव ।

2- ' एक फोडा दुखा ' कविता में फैंटसी ।

प्र.5.अ)निम्नलिखित प्रश्न का उत्तर लगभग 400 शब्दों में लिखिए । (12)

1- 'रश्मिरथी' के प्रथम सर्ग की कथावस्तु पर प्रकाश डालिए।

अथवा

प्र.5. आ) टिप्पणियाँ लिखिए । **(6-6)**

1-' रश्मिरथी ' के चतुर्थ सर्ग का उद्देश्य।

2-' रश्मिरथी ' का तृतीय सर्ग ।

प्र.6. अ) निम्नलिखित प्रश्न का उत्तर लगभग 400 शब्दों में लिखिए। **(12)**

1- संज्ञा का अर्थ बताते हुए उसके भेदों को सोदाहरण स्पष्ट कीजिए।

अथवा

प्र.6. आ) टिप्पणियाँ लिखिए । **(6-6)**

1. संख्यावाचक एवं परिमाणवाचक विशेषण ।
2. सर्वनाम ।